Amar Ujala (Hindi) 25-02-17, Page-5

दून स्कूल में वायलिन ऑर्केस्ट्रा ने जमाया रंग

देश के पहले प्रोफेशनल ऑर्केस्ट्रा ने दी दमदार प्रस्तुति

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून।

द दून स्कूल में शुक्रवार को सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा ऑफ इंडिया के कलाकारों ने अपनी वायलिन की धुनों पर सबको खूब झुमाया। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में ऑर्केस्ट्रा के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से खूब तालियां बटोरी।

दून स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वायलिन की प्रस्तुति देते सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा ऑफ इंडिया के कलाकार।

शुक्रवार को दून स्कूल के रोजबाउल ओपेन थियेटर में कार्यक्रम की शुरुआत वायलिन की धुनों पर राष्ट्रगान से हुई। सभी छात्रों और अभिभावकों ने सावधान की मुद्रा में वायलिन पर राष्ट्रगान का आनंद लिया। सिम्फ नी ऑर्केस्ट्रा ऑफ इंडिया के वायलिन कलाकारों ने सबको सुरों में बांध दिया। लंदन कंटेंपरेरी ऑर्केस्ट्रा के प्रिंसिपल रोबर्ट आर्म्स के नेतृत्व में कलाकारों ने वायलिन की धुनों से श्रोताओं को मुखातिब कराया। यह देश का पहला प्रोफेशनल वायलिन ऑर्केस्ट्रा है जो कि एसओआई नेशनल सेंटर फ ॉर द परफॉर्मिंग आट्र्स से भी जुड़ा है। ऑर्केस्ट्रा के ज्यादातर सदस्य विदेशी हैं। पहली बार दून स्कूल में उन्होंने प्रस्तुति दी। कजाखिस्तान की गाल्या बिसएंगालिविया की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। पांच वर्ष की उम्र से वायलिन बजा रहीं गाल्या ने एक के बाद कई विभिन्न संस्कृतियों से रूबरू कराती धुनों से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। अर्जेंटीना का सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार रेवलएसियन विजेता गाल्या की प्रस्तुति के बाद सीनियर वायलिन आर्टिस्ट और एसओआई के लीडर रॉबर्ट एम्स के नेतृत्व में कई बेहतरीन प्रस्तुतियों से पूरा ओपेन थियेटर तालियों से गूंज उठा। द दून स्कूल के हेडमास्टर मैथ्यू रेग्गेट ने कलाकारों का धन्यवाद किया। उन्होंने इसे दून में अंतरराष्ट्रीय प्रस्तुति करार दिया। इस मौके पर कई और स्कूलों के बच्चे भी शामिल हुए।

मालरोड स्थित दून स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मौजूद स्कूली बच्चे।

● RNI No. UTTENG/2006/17959 ● Postal Regd No. UA/DO/DDN/597/2014-2016

Symphony Orchestra of India performs at Doon School

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, 24 Feb: 'The Symphony Orchestra of India, held a performance was under the aegis of the Music Department of the Doon School, here. It was organised by Sardana Creative Consultancy of Nikhil Sardana, an old boy of the school. Amongst those who attended were Matthew Raggett, Headmaster, Phillip Burret, Second Master, and PK Nair, Assistant Headmaster.

Based in Mumbai, the Chamber Ensemble of the SOI, under the Baton of the dynamic young British conductor, Robert Ames, and featuring the brilliant and renowned violinist Galya Bisengalieva, performed at the Doon School's Rose Bowl, today. The programme, featuring a selection of western classical compositions by Mozart, Handel and Vivaldi held the audience spellbound through the evening.

Printed and published by Satish Sharma on behalf of Monal Publishing House Pvt Ltd and printed at Monal Publishing House Pvt Ltd. Bharuwala, Clement Town, Distt. Dehradun and published at 633, 634, Indira Nagar Colony, Dehradun 248006. Editor: **Satish Sharma**, News Editor: **Ashok P Misra**. **Mobile**: 9412051165, 8958532237
E-mail: garhwalpost@gmail.com **City Office:** 17-A, Chander Road, (Near Indian Cambridge School), Dehradun.

Hindustan (Hindi), 25-02-17, Page- 6

द दून स्कूल में शुक्रवार को एसओआई के वायलिन आर्टिस्टों ने शानदार प्रस्तुति दी। भारत के पहले प्रोफेशनल वायलिन ऑक्रेस्ट्रा एसओआई की देहरादून में यह पहली प्रस्तुति थी। • हिन्दुस्तान

दून स्कूल में एसओआई के वायलिन की धुन गूंजी

देहरादून | कार्यालय संवाददाता

द दून स्कूल के रोस बाउल ओपन थियेटर में शुक्रवार शाम को सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा ऑफ इंडिया (एसओआई) के वायलिन आर्टिस्टों ने दर्शकों को कई घंटे सुरों से बांधा रखा। लंदन कॉनटेंपरेरी ऑर्केस्ट्रा के प्रिंसिपल रोबर्ट आर्म्स के नेतृत्व में कलाकारों ने वायलिन की धुनों से श्रोताओं को मुखातिब कराया।

भारत का पहला प्रोफेशनल वायलिन ऑकेट्रा एसओआई नेशनल सेंटर फॉर द परफॉरमिंग आर्ट (एसीपीए) से भी जुड़ा है, लेकिन इसके अधिकांश सदस्य दूसरे मुल्कों के हैं। एसओआई देहरादून में पहली बार शुक्रवार को दून स्कूल के निमंत्रण पर आया था। शाम को रोस बाउल थियेटर में गाल्या बिसएंगालिविया ने कार्यक्रम की शुरूआत की। महज पांच साल की उम्र में वायलिन अपने हाथ में पकड़ने वाली कजाकिस्तान की गाल्या ने मन मोह लिया। अर्जिंटना के सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार रेवलएसियन प्राप्त गाल्या के बाद म्यूजिक को स्टाइल के साथ परोसने वाले सीनियर वायलिन आर्टिस्ट और एसओआई को लीड कर रहे रोबर्ट एम्स के नेतृत्व में भी कई बेहतरीन प्रस्तुतियां हुई। द दून स्कूल के हेडमास्टर मैथ्यू रागेट ने सभी कलाकारों और टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि हमारे लिए सम्मान की बात है कि एक अंतर्राष्ट्रीय ऑकेस्ट्रा ने स्कूल में प्रस्तुति दी। इस अवसर पर शहर के कई प्रतिष्ठित स्कूलों के छात्र और छात्राएं भी उपस्थित रहे।

Garhwal Post, 25-02-17, Page-1

Symphony Orchestra of India performs at Doon School. News on Page 16